प्रिय बहनों और भाइयो,

आपको एक पत्रक द्वारा पहले ही सूचित किया जा चुका है कि स्व-शुद्धि, आश्रम परिसर शुद्धि, विद्यालय परिसर शुद्धि, क्षेत्र शुद्धि और वातावरण शुद्धि के लिए एक जपयज्ञ का आयोजन किया जा रहा है।

एकम् सद्विप्राः बहुधा वदन्ति।

सत्य तो एक ही है।

भिन्न-भिन्न लोगों ने उसे अलग-अलग नामों से पुकारा है।

गुरु ग्रन्थ साहिब में गुरु महाराज ने परमात्मा के लिए अनेक नामों का उपयोग किया है। प्रभु, हरि, एक, ब्रह्म, पारब्रह्म, राम, रहीम, ठाकुर, स्वामी, माधव, माधो, अल्लाह, खुदा, करीम, सांईं, गोसांई, भगवान, सौह, भर्ता, खसम, प्राणपति, रामईया, समीआं, श्याम, शामसुंदर, लक्ष्मीपति, रघुनाथ, गोबिन्द, वाहेगुरु, पुरूष, तू, विट्ठल, मुरारी आदि नामों से परमेश्वर को संबोधित किया गया है। वैसे, निर्गुण स्वरूप में तो प्रभु को किसी भी नाम से संबोधित करना संभव है ही नहीं। इसीलिए कई स्थानों पर कोई भी नाम नहीं लिया गया।

हम भले जल कहें या नीर, पानी कहें या आब, वाटर कहें या एच.टू.ओ., भाषा बदलने से जैसे वस्तु नहीं बदल जाती उसी प्रकार प्रभु को किसी भी नाम से क्यों न पुकारें वे तो प्रभु ही रहेंगे। माँ कहो या माता, मम्मी कहो या मदर, अम्माँ कहो या मैय्या, जननी कहो या माते, व्यक्ति भी वही रहेगा और सम्बंध भी वही रहेगा। इसी प्रकार किसी भी नाम से क्यों न पुकारें प्रभु ही हाज़र होंगे। किसी भी नाम से उनका स्मरण करें प्रभु ही पुकार सुनेंगे।

इस जपयज्ञ में आप उस सर्वशक्तिमान के किसी भी नाम का जप करने के लिए पूर्णतया स्वतंत्र होंगे।

सामूहिक जप का कार्यक्रम इस प्रकार रहेगा-

- 18 मार्च, रविवार प्रातः 6.30 से 10.30 बजे तक स्वामी जी के बलिदान स्थल पर।
- 19 मार्च, सोमवार से 27 मार्च, मंगलवार तक प्रातः 7.30 से 8.30 बजे तक विद्यालय प्रार्थना स्थल पर छात्र-छात्राओं द्वारा सामूहिक जप।
- 1 अप्रैल, रविवार प्रातः 6.30 से 8.30 बजे तक विद्यालय सभागार में सभी क्षेत्रवासियों द्वारा सामूहिक जप।
- 5 अप्रैल स्वामी जी की पुण्यतिथि पर रमेश भैय्या सम्भवतः प्रभात फेरी निकालेंगे।

शुभेच्छुक : अर्जुन सिंह समदर्शी

स्वामी सच्चिदानन्द स्मारक विद्यालय

गोविन्दपुर (आश्रम) खारी